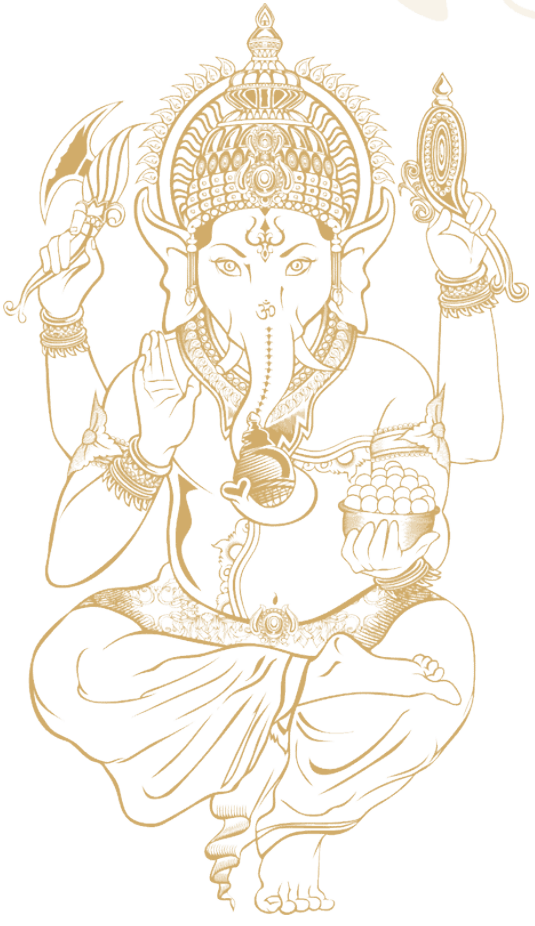

Mr.kanika

03 Feb 2001

04:45 AM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120000602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**2-03/02/2001**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	53:54:58 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:24:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:44 घंटे
साम्पातिक काल	13:17:02 घंटे
सूर्योदय	07:11:00 घंटे
सूर्यास्त	17:58:22 घंटे
दिनमान	10:47:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:19:10 मकर
लग्न के अंश	10:29:04 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ब्रह्म
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:29:04	339:09:11	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			मक	20:19:10	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	07:27:18	13:40:51	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	29:46:40	00:32:44	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
बुध			कुंभ	06:42:48	00:12:10	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			वृष	07:26:48	00:01:46	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	06:16:36	00:51:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			वृष	00:16:03	00:01:01	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	21:19:07	00:01:06	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु			धनु	21:19:07	00:01:06	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	26:34:13	00:03:28	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:41:15	00:02:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:53:31	00:01:24	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	26:58:47	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:05

लग्न-चलित

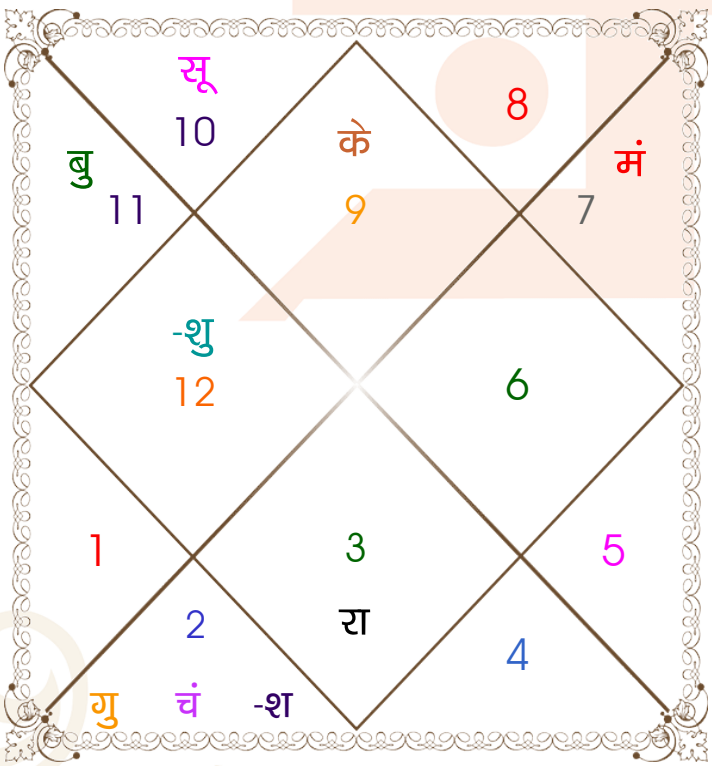

चन्द्र कुंडली

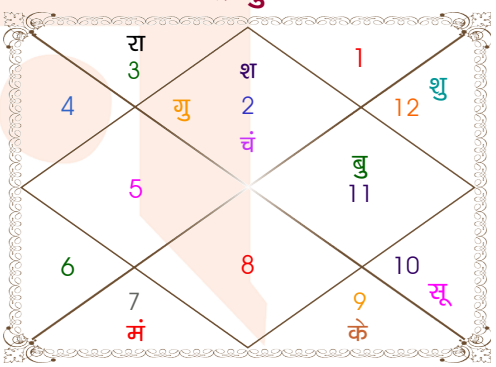

नवमांश कुंडली

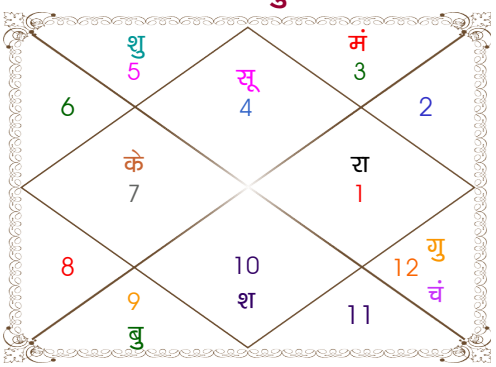

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 1 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/02/2001		28/03/2002		28/03/2012		28/03/2019		28/03/2037	
28/03/2002		28/03/2012		28/03/2019		28/03/2037		28/03/2053	
	00/00/0000	चंद्र	26/01/2003	मंगल	24/08/2012	राहु	08/12/2021	गुरु	16/05/2039
	00/00/0000	मंगल	27/08/2003	राहु	11/09/2013	गुरु	03/05/2024	शनि	26/11/2041
	00/00/0000	राहु	25/02/2005	गुरु	18/08/2014	शनि	10/03/2027	बुध	03/03/2044
	00/00/0000	गुरु	27/06/2006	शनि	27/09/2015	बुध	26/09/2029	केतु	07/02/2045
	00/00/0000	शनि	27/01/2008	बुध	23/09/2016	केतु	15/10/2030	शुक्र	09/10/2047
	00/00/0000	बुध	27/06/2009	केतु	19/02/2017	शुक्र	15/10/2033	सूर्य	27/07/2048
	03/02/2001	केतु	26/01/2010	शुक्र	21/04/2018	सूर्य	08/09/2034	चंद्र	26/11/2049
केतु	28/03/2001	शुक्र	27/09/2011	सूर्य	27/08/2018	चंद्र	09/03/2036	मंगल	02/11/2050
शुक्र	28/03/2002	सूर्य	28/03/2012	चंद्र	28/03/2019	मंगल	28/03/2037	राहु	28/03/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/03/2053		28/03/2072		28/03/2089		28/03/2096		29/03/2116	
28/03/2072		28/03/2089		28/03/2096		29/03/2116		00/00/0000	
शनि	31/03/2056	बुध	24/08/2074	केतु	24/08/2089	शुक्र	28/07/2099	सूर्य	16/07/2116
बुध	09/12/2058	केतु	21/08/2075	शुक्र	24/10/2090	सूर्य	28/07/2100	चंद्र	15/01/2117
केतु	18/01/2060	शुक्र	21/06/2078	सूर्य	01/03/2091	चंद्र	29/03/2102	मंगल	23/05/2117
शुक्र	19/03/2063	सूर्य	28/04/2079	चंद्र	30/09/2091	मंगल	29/05/2103	राहु	16/04/2118
सूर्य	29/02/2064	चंद्र	26/09/2080	मंगल	26/02/2092	राहु	29/05/2106	गुरु	02/02/2119
चंद्र	29/09/2065	मंगल	23/09/2081	राहु	16/03/2093	गुरु	27/01/2109	शनि	15/01/2120
मंगल	08/11/2066	राहु	12/04/2084	गुरु	19/02/2094	शनि	29/03/2112	बुध	21/11/2120
राहु	14/09/2069	गुरु	19/07/2086	शनि	31/03/2095	बुध	27/01/2115	केतु	04/02/2121
गुरु	28/03/2072	शनि	28/03/2089	बुध	28/03/2096	केतु	29/03/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 1 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।